

IN THE HIGH COURT OF UTTARAKHAND AT NAINITAL

Civil Misc. Transfer Application No. 22 of 2007

Surendra Dev, S/o Late Shankar Dev
R/o Arya Nagar, Gadarpur, Tehsil Gadarpur,
District Udham Singh Nagar.

.....Applicant.

Versus

- (1) Judge Family Court, District Udham Singh Nagar.
- (2) Smt. Sunita Arya D/o Ganesh Prasad
R/o Mohalla Ganesh Nagar Subhash Nagar,
Bareilly, U.P.

..... Respondents.

Hon'ble Prafulla C. Pant, J.

Heard learned counsel for the parties.

(2) By means of this petition, moved under Section 24 of Code of Civil Procedure, 1908, the petitioner has sought transfer of Suit No. 74 of 2005, Surendra Dev Vs. Sunita Arya, pending in the court of Judge, Family Court, Udham Singh Nagar, to some other court.

(3) It is submitted on behalf of the petitioner that the Judge, Family Court, Udham Singh Nagar, where the suit is filed by the petitioner for divorce under Section 13 of Hindu Marriage Act, against the respondent no. 2 Sunita Arya, has shown a

conduct which has created apprehension in his mind that the petitioner would not be able to get the justice. In the application dated 13.09.2007, made by the petitioner, a copy of which is Annexure 2 to the writ petition, makes following disclosures-

“.....यह कि दिनांक 17.08.07 को जब याची के अधिवक्ता विपक्षी के गवाहानों से जिरह कर रहे थे तो जिरह के दौरान कुछ तथ्य जो याची के अधिवक्ता की याददाश्त से बाहर जा रहे थे, को बताने का प्रयास जब याची द्वारा किया गया तो पीठासीन अधिकारी ने फिर याची को यह कहकर कस्टडी में करा दिया कि ये न्यायिक कार्यवाही के दौरान बोलता है और जब तक साक्ष्य की कार्यवाही चलती रही पीठासीन अधिकारी ने याची को कस्टडी में ही खड़ा किए रखा। न केवल इतना बल्कि याची के अधिवक्ता द्वारा की जा रही जिरह के बीच में बार बार पत्रावली में दाखिल कागजातों के पेपर नम्बर आदि लिखाने पर रोक लगायी और जिरह को संक्षिप्त करने के लिए अनुचित दबाव बनाया जिस कारण से संतोषजनक जिरह भी नहीं हो पायी।

यह की दिनांक 10.09.07 को जब विपक्षी द्वारा प्रस्तुत लिस्ट गवाहन के सभी गवाह हो गये थे तो विपक्षी की ओर से एक प्रार्थना पत्र एक अन्य गवाह को प्रस्तुत करने हेतु दिया गया जिस पर याची के अधिवक्ता द्वारा अपनी आपत्ति दर्ज की गयी। आर्डर शीट पर न्यायालय द्वारा 10.09.07 ककी तिथि नियत करके याची तथा विपक्षी दोनों से हस्ताक्षर कराये गये।

यह की नियत तिथि दिनांक 10.09.07 को जब याची हाजिर अदालत आया तो उसकी एक अन्य पत्रावली अंधारा 340 जा0फौ0वाद सं0-193 / 2006 जो इसी न्यायालय में इसी तिथि पर आदेश में थी न्यायालय कक्ष में उपलब्ध थी किन्तु धारा 13 हि0वि0अधि0 की पत्रावली वाद सं0- 74 / 05 न्यायालय में उपलब्ध नहीं थी। याची द्वारा पेशकार से इस बाबत मालूम करने पर पेशकार ने कहा कि आज की तिथि में वह पत्रावली नहीं लगी होगी। इस पर याची ने कहा कि ऐसा नहीं है मैं स्वयं 10.08.07 की तिथि लेकर और इस तिथि के लिए आर्डर शीट पर अपने हस्ताक्षर पूर्व तिथि 17.08.07 को करके गया था। याची की बात को न्यायालय में उपस्थित पीठासीन अधिकारी ने सुना और फिर उत्तेजित होते हुए याची को दौराने मुकदमा चौथी बार फिर कस्टडी में ले लिया तथा अपने बैठे रहने तक याची को न्यायिक अभिरक्षा में खड़ा रखा तथा बाद में यह कहते हुए कि लंच अवधि के बाद अपने अधिवक्ता को लेकर आना, याची को छोड़ दिया।

यह कि लंच के बाद याची भय अधिवक्ता हाजिर अदालत हुआ बद सं०-74-2005 की पत्रावली पर विपक्षी द्वारा अन्य कोई गवाह पेश न किया जाना लिखा गया और पत्रावली 01.10.07 को बहस के लिए लगा दी गयी किन्तु पीठासीन अधिकारी से जब याची के अधिवक्ता ने बार-बार याची को कस्टडी में लेने का कारण जानना चाहा तो पीठासीन अधिकारी ने यह कहते हुए कि इसे 218 सी०आर०पी०सी० का नोटिस जारी कर दो । कारण समझ में आ जायेगा ।”

(4) Without going into the correctness of the above allegations, in the circumstances of the case, this Court is of the view that it would be fair and proper to transfer the Suit from the Court of Judge, Family Court, Udham Singh Nagar to some other Court. Nearest Court to which the Suit can be transferred is the court of Principal Judge, Family Court, Nainital. The respondent no. 2 Sunita Arya is resident of Bareilly and will have to travel longer journey in coming to the Court. As such, it is also desirable that she should be compensated on account of her expenses she would be required to spend for attending the Court at Nainital.

Therefore, the application under Section 24 of the Code of Civil Procedure, 1908 is allowed. Suit No. 74 of 2005 Surendra Dev Vs. Sunita Arya, pending in the Court of Judge, Family Court, Udham Singh Nagar, is transferred to the principal Judge, Family Court, Nainital, who shall proceed further in the suit. This transfer order is being passed subject to the condition that the petitioner shall pay Rs.300/- per visit of the respondent no.2 to the Court at Nainital, apart from the interim maintenance already directed to be paid by the petitioner to the respondent no.2.

(Prafulla C. Pant, J.)

Dt.28.11.2007

NS

